



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-31032021-226279
CG-DL-E-31032021-226279

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 112]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 31, 2021/चैत्र 10, 1943

No. 112]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 31, 2021/CHAITRA 10, 1943

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग
(व्यापार उपचार महानिदेशालय)
जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना
नई दिल्ली, 31 मार्च, 2021
मामला संख्या: एडी (ओआई)-04/2021

विषय: चीन पीआर, यूरोपीय संघ और रूस से उत्पन्न होने वाली या निर्यात की जाने वाली टीडीक्यू, पीबीआई चीन पीआर से उत्पन्न होने वाली या निर्यात की जाने वाली और सीबीएस चीन पीआर और यूरोपीय संघ से उत्पन्न होने वाली या निर्यात की जाने वाली संबंधित पाटनरोधी, जांच की शुरूआत।

फा. सं. 6/4/2021-डीजीटीआर।—1. मै. एनओसीआईएल लिमिटेड (जिसे यहां आगे “आवेदक” भी कहा गया है) ने समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष कतिपय रबड़ कैमिकल्स अर्थात् टीडीक्यू, पीबीआई और सीबीएस (जिन्हें आगे संबद्ध वस्तु या विचाराधीन उत्पाद भी कहा गया है) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरूआत की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया है। वर्तमान जांच चीन जन.गण., यूरोपीय संघ

और रूस के मूल के अथवा वहां से निर्यातित टीडीक्यू के आयातों, चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पीवीआई के आयातों और चीन जन.गण. तथा यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीबीएस के आयातों से संबंधित हैं।

2. आवेदक ने आरोप लगाया है कि संबंधित संबद्ध देशों से प्रत्येक संबद्ध वस्तु के पाठित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है और संबंधित संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित प्रत्येक संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाठनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है।

विचाराधीन उत्पाद

3. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद “कतिपय रबड़ कैमिकल्स, अर्थात् टीडीक्यू, पीवीआई और सीबीएस” हैं। इन्हें निम्नानुसार परिभाषित है :

- i. ‘2,2,4-ट्रीमिथाइल-1,2-डीहाइड्रोक्लिनोलीन’ अथवा ‘टीडीक्यू’ एसीटोन और एनीलिन से उत्पादित एक रबड़ एंटीऑक्सीडेंट है। इसका प्रयोग आस-पास के तथा बढ़े हुए तापमान पर ऑक्सीकारक एंजिंग के विरुद्ध रबड़ के वल्केनीजेट्स को दीर्घावधिक संरक्षण देने के लिए किया जाता है। यह स्थिर तथा गतिशील स्थितियों में ओजोन के कारण डीग्रेडेशन के विरुद्ध भी संरक्षण देता है।
- ii. ‘एन-(साइक्लोहैक्साइल) थैलीमाइड’ अथवा ‘पीवीआई’ एक रबड़ प्री-वल्केनाइजेशन इनहीबीटर है जो बुटानोल, पोटेशियम हाइड्रोक्साइड, साइक्लोहैक्साइल मेरकेपटन/डीक्लोरोडिसल्फाइड, अमोनिया, क्लोरोराइड और थैलिक एनहाइड्राइड से उत्पादित होता है। इसका प्रयोग रबड़ की किस्म, रीइनफोर्सिंग फिलर्स की लोडिंग्स, एक्सीलेटर किस्म और डोसेज के चयन यौगिक विनिमितियों में प्रयुक्त सल्फर डोजेज आदि पर निर्भर रहते हुए वांछित स्कार्च डिले के उत्पादन में होता है।
- iii. ‘एन-साइक्लोहैक्साइल-2-बेन्जोथियाजोलेसल्फेनामाइड’ अथवा ‘सीबीएस’ एक रबड़ एक्सीलेटर है जिसे सोडियम मरकेप्टो बेन्जो थियाजोल, साइक्लोहैक्सीलेमाइन और हाइड्रोजन पेराक्साइड से उत्पादित किया जाता है। इसका प्रयोग रबड़ यौगिक प्रसंस्करण प्रचालनों के दौरान स्कार्च सुरक्षा हेतु किया जाता है और यह प्रसंस्कृत रबड़ स्टाँक के भंडारण काल में सुधार करता है।

4. संबद्ध वस्तुओं के लिए कोई समर्पित आईटीसी एचएस वर्गीकरण नहीं है। विचाराधीन उत्पाद को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 38 में टैरिफ सीमाशुल्क वर्गीकरण 3812 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, पहली अनुसूची के अध्याय 29 के अंतर्गत ही विचाराधीन उत्पाद के आयात हुए हैं। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

समान वस्तु

5. आवेदक ने दावा किया है कि आवेदक द्वारा उत्पादित प्रत्येक विचाराधीन उत्पाद तथा संबंधित संबद्ध देशों से निर्यातित उत्पादों में कोई खास अंतर नहीं है। उद्योग द्वारा विनिमित उत्पाद भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और प्रयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा विनिमित उत्पाद संबंधित संबद्ध देशों से निर्यातित प्रत्येक संबद्ध वस्तु के साथ तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं अतः वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ आवेदक द्वारा उत्पादित प्रत्येक विचाराधीन उत्पाद को संबंधित संबद्ध देशों से आयातित प्रत्येक संबद्ध वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है।

घरेलू उद्योग और स्थिति

6. यह आवेदन मै. एनओसीआईएल लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। आवेदक ने प्रमाणित किया है कि वे न तो संबंधित संबद्ध देशों प्रत्येक संबद्ध वस्तु के किसी निर्यातक या उत्पादक से अथवा भारत में किसी आयातक से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पाठनरोधी नियमावली के नियम 2(च) के अर्थ के भी संबंधित नहीं हैं। यह नोट किया

जाता है कि आवेदक भारत में पीवीआई तथा सीबीएस का एकमात्र उत्पादक है। टीडीक्यू के संबंध में भारत में एक अन्य उत्पादक अर्थात्: लेनक्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड है।

7. रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक नियम 2(ख) के अनुसार पात्र घरेलू उद्योग है और आवेदन संबंधित नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार योग्यता संबंधी मापदंडों को पूरा करता है।

कथित पाटन का आधार

सामान्य मूल्य - चीन जन. गण.

8. आवेदक ने अनुरोध किया है कि चीन जन. गण के लिए सामान्य मूल्य पाटनरोधी नियमावली 1995 के अनुबंध-1 के पैराग्राफ-7 के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए। कानून के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से किसी आधार पर निर्धारित किया जा सकता है :

- क. बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे देश में कीमत।
- ख. बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे देश में परिकलित मूल्य।
- ग. ऐसे किसी तीसरे देश से भारत समेत अन्य देशों को कीमत।
- घ. भारत में वस्तुतः प्रदत्त या देय कीमत जो तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने हेतु समायोजित हो।

9. इसके अनुपालन में बाजार अर्थस्व्यवस्था वाले किसी तीसरे देश में कीमत या परिकलित मूल्य, ऐसे किसी तीसरे देश से भारत समेत अन्य देशों को कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने के प्रयास किए गए थे। तथापि, इसके संबंध में कोई सत्यापन योग्य साक्ष्य या प्रकाशित साक्ष्य नहीं है। अतः आवेदक ने प्रत्येक संबद्ध वस्तु हेतु चीन जन. गण. में सामान्य मूल्य का दावा भारत में वस्तुतः प्रदत्त या देय कीमत को तर्कसंगत लाभ मार्जिन शामिल करने हेतु विधिवत रूप से समायोजित करते हुए किया है।

सामान्य मूल्य - यूरोपीय संघ तथा रूस

10. आवेदक ने यूरोपीय संघ और रूस के घरेलू बाजार में बिक्री वास्तविक सौदा कीमत के साक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास किया था। तथापि, उत्पादकों की वास्तविक सौदा कीमत के संबंध में सार्वजनिक रूप से कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा, चूंकि विचाराधीन उत्पाद का कोई समर्पित सीमाशुल्क वर्गीकरण नहीं है, इसलिए सामान्य मूल्य को किसी उचित तीसरे देश को संबद्ध देशों की निर्यात कीमत पर निर्धारित नहीं किया जा सकता है। आवेदक ने यूरोपीय संघ और रूस में टीडीक्यू और सीबीएस उत्पादकों की वास्तविक उत्पादन लागत प्राप्त करने का प्रयास किया। तथापि, कोई सत्यापन योग्य साक्ष्य उपलब्ध नहीं था। अतः आवेदक ने संगत विचाराधीन उत्पाद हेतु तर्कसंगत लाभ मार्जिन को जोड़ने के बाद उत्पादन लागत के आधार पर यूरोपीय संघ और रूस में सामान्य मूल्य का दावा किया है।

निर्यात कीमत

11. आवेदक ने संबंधित संबद्ध देशों से प्रत्येक संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों के अनुसार पी ओ आई हेतु आयातों की मात्रा और मूल्य विचार करते हुए निर्धारित की है। निर्यात कीमत को सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमतों को समान स्तर पर लाने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतरराष्ट्रीय मालभाड़ा व्यय, पत्तन व्यय तथा बैंक प्रभार के लिए कीमत समायोजित किया गया है। आवेदक द्वारा दावा की गई निवल निर्यात कीमत के संबंध पर्याप्त प्रथमदृष्टया साक्ष्य हैं।

पाटन मार्जिन

12. संबद्ध देशों से प्रत्येक संबद्ध वस्तु के ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन अधिनियम की धारा 9क (1) (क) के अनुसार निर्धारित किया गया है। यह नोट किया जाता है कि संबंधित संबद्ध देशों से प्रत्येक विचाराधीन उत्पाद हेतु पाटन मार्जिन न केवल निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है बल्कि काफी अधिक है। इस बात के प्रथमदृष्टया साक्ष्य हैं कि संबंधित संबद्ध देशों में प्रत्येक संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे पता चलता है कि संबंधित संबद्ध देशों के मूल की

अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु को पाटित कीमतों पर निर्यात किया जा रहा है जिससे जांच की शुरूआत न्योचित है।

क्षति और कारणात्मक संबंध

13. आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति के आकलन हेतु विचार किया गया है। आवेदक ने जांच अवधि के दौरान उत्पादन और खपत की दृष्टि से पाटित आयातों की भारी मात्रा, कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री तथा घरेलू उद्योग पर मूल्य ह्रास प्रभाव के रूप में संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन के परिणामस्वरूप प्रत्येक विचाराधीन उत्पाद हेतु क्षति के संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। आवेदक ने दावा किया है कि इसका कार्य निषपादन बुरी तरह प्रभावित हुआ है जिसके कारण उत्पादन, क्षमता उपयोग, घरेलू बिक्री मात्रा, बाजार हिस्से, लाभप्रदता, नकद प्रवाह और नियोजित पूँजी पर आय में गिरावट आई है जिसका कारण संबंधित संबद्ध देशों से बिक्री कीमत और घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम पर विचाराधीन उत्पाद के पाटित आयातों में वृद्धि होना है। संबद्ध देशों से प्रत्येक संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के पर्याप्त प्रथमदृष्टया साक्ष्य हैं।

पाटनरोधी जांच की शुरूआत

14. आवेदक द्वारा प्रस्तुत विधिवत रूप से साक्षात्कृत लिखित आवेदन के आधार पर और घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत प्रथमदृष्टया साक्ष्य जिसमें चीन जन. गण, यूरोपीय संघ और रूस के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पीडीक्यू, के पाटन, चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित टीडीआई और चीन जन. गण. तथा यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीबीएस के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति और कथित पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध को सिद्ध करते हुए प्रथमदृष्टया साक्ष्य तथा नियमावली के नियम के नियम 5 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क के अनुसार प्राधिकारी एतद्वारा संबंधित संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के संबंध में किसी कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश करने जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, जांच की शुरूआत करते हैं।

संबद्ध देश

15. वर्तमान जांच में टीडीक्यू के आयात के संबंध में चीन जन.गण., यूरोपीय संघ तथा रूस, पीवीआई के आयात के संबंध में चीन जन. गण. और सीबीएस के आयातों के संबंध में चीन जन. गण. और यूरोपीय संघ शामिल हैं।

जांच की अवधि (पीओआई)

16. वर्तमान जांच के लिए जांच की अवधि (पीओआई) अक्टूबर, 2019 - सितंबर, 2020 (12 माह) की है। क्षति जांच अवधि में 2017-18, 2018-19, 2019 –2020 और जांच की अवधियां शामिल होंगी।

प्रक्रिया

17. नियमावली के नियम 6 में यथाप्रदत्त सिद्धांतों का वर्तमान जांच में पालन किया जाएगा।

सूचना प्रस्तुत करना

18. कोविड-19 महामारी से उत्पन्न विशेष परिस्थितियों के मद्देजर निर्दिष्ट प्राधिकारी को समस्त पत्र ई-मेल पतों adg13-dgtr@gov.in, dd14-dgtr@gov.in, adv12-dgtr@gov.in, तथा dd16-dgtr@gov.in पर ई-मेल के माध्यम से भेजे जाने चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए अनुरोध का वर्णनात्मक हिस्सा पीडीएफ/एम एस वर्ल्ड फार्मेट में और डाटा फाइल एम एस एक्सल फार्मेट में खोजे जाने योग्य होनी चाहिए।

19. ज्ञात निर्यातकों, भारत में उनके दूतावास के जरिए उनकी सरकार, भारत में संबद्ध वस्तु से संबंधित समझे जाने वाले आयातक और प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को नीचे निर्धारित की गई समय सीमा के भीतर विहित प्रपत्र में एवं ढंग से समस्त संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए अलग से सूचित किया जा रहा है।

20. कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी नीचे दी गई समय सीमा के भीतर विहित प्रपत्र और ढंग से इस जांच से संगत अपने अनुरोध प्रस्तुत कर सकता है।
21. प्राधिकारी के समक्ष कोई गोपनीय अनुरोध करने वाले किसी पक्षकार को अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराए जाने के लिए उसका एक अगोपनीय अंश प्रस्तुत करना अपेक्षित है।
22. हितबद्ध पक्षकारों को यह भी सलाह दी जाती है कि इस जांच के संबंध में किसी भी अद्यतन सूचना के लिए वे डी जी टी आर की अधिकारिक वैबसाइट अर्थात् <http://www.dgtr.gov.in/> को नियमित रूप से देखते रहें।

समय-सीमा

23. वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार सूचना की प्राप्ति की तारीख से 30 दिनों के भीतर ई-मेल पतों adg13-dgtr@gov.in, dd14-dgtr@gov.in, adv12-dgtr@gov.in, और dd16-dgtr@gov.in पर ई-मेल के माध्यम से निर्दिष्ट प्राधिकारी को भेजी जानी चाहिए। यदि विहित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है या प्राप्त सूचना अधूरी होती है तो प्राधिकारी नियमावली के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।
24. सभी हितबद्ध पक्षकारों को एतद्वारा वर्तमान मामले में अपने हित (हित के स्वरूप सहित) की सूचना देने और उपर्युक्त समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दी जाती है।

गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

25. प्राधिकारी के समक्ष कोई गोपनीय अनुरोध करने या गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार को नियमावली के नियम 7(2) और इस संबंध में जारी व्यापार सूचनाओं के अनुसार उसका एक अगोपनीय अंश साथ में प्रस्तुत करना अपेक्षित है। इसका पालन न करने पर उत्तर/अनुरोध को अस्वीकार किया जा सकता है।
26. प्रश्नावली के उत्तर सहित प्राधिकारी के समक्ष कोई अनुरोध (उससे संलग्न परिशिष्ट/अनुबंध सहित) प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों को गोपनीय और अगोपनीय अंश अलग-अलग प्रस्तुत करना अपेक्षित है।
27. "गोपनीय "या" अगोपनीय "अनुरोधों पर स्पष्ट रूप से प्रत्येक पृष्ठ पर" गोपनीय "या" अगोपनीय "अंकित होना चाहिए। ऐसे अंकन के बिना प्रस्तुत सूचना को प्राधिकारी द्वारा अगोपनीय माना जाएगा और प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसे अनुरोध का निरीक्षण करने की अनुमति देने के लिए स्वतंत्र होंगे।
28. गोपनीय पाठ में ऐसी समस्त सूचना होगी जो स्वाभाविक रूप से गोपनीय है और/अथवा ऐसी अन्य सूचना जिसके ऐसी सूचना के प्रदाता द्वारा गोपनीय होने का दावा किया गया है। स्वाभाविक रूप से गोपनीय होने का दावा की गई सूचना या अन्य कारणों से गोपनीयता का दावा की गई सूचना के संबंध में सूचना प्रदाता को प्रदत्त सूचना के साथ ऐसे कारणों का विवरण प्रस्तुत करना होगा कि उस सूचना का प्रकटन क्यों नहीं किया जा सकता है।
29. अगोपनीय रूपांतरण को उस सूचना, जिसके बारे में गोपनीयता का दावा किया गया है, पर निर्भर रहते हुए अधिमानतः सूचीबद्ध या रिकॉर्ड छोड़ी गई (यदि सूचीबद्ध करना व्यवहार्य न हो) और सारांशीकृत गोपनीय सूचना के साथ गोपनीय रूपांतरण की अनुकृति होना अपेक्षित है। अगोपनीय सारांश पर्याम विस्तृत होना चाहिए ताकि गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की विषय वस्तु को तर्कसंगत ढंग से समझा जा सके। तथापि, आपवादिक परिस्थितियों में गोपनीय सूचना प्रदाता पक्षकार यह इंगित कर सकते हैं कि ऐसी सूचना का सारांश संभव नहीं है और प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार इस आशय के कारणों का एक विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए कि सारांशीकरण क्यों संभव नहीं है।
30. प्रस्तुत सूचना के स्वरूप की जांच करने के बाद प्राधिकारी गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार या अस्वीकार कर सकते हैं। यदि प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता उक्त सूचना को सार्वजनिक करने या सामान्य रूप में अथवा सारांश रूप में उसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का अनिच्छुक है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।
31. सार्वक अगोपनीय रूपांतरण के बिना या गोपनीयता के दावे के बारे में यथोचित कारण के विवरण के बिना किए गए किसी अनुरोध को प्राधिकारी द्वारा रिकॉर्ड में नहीं लिया जाएगा।

32. प्रदत्त सूचना की गोपनीयता की जरूरत से संतुष्ट होने और उसे स्वीकार कर लेने के बाद प्राधिकारी ऐसी सूचना के प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी पक्षकार को उसका प्रकटन नहीं करेंगे।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

33. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण रखे गए हैं। इलैक्ट्रोनिक रूप में सार्वजनिक फाइल को रखने तौर-तरीकों को तैयार किया जा रहा है।

असहयोग

34. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी ऐसे हितबद्ध पक्षकार को असहयोगी घोषित कर सकते हैं और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

अनंत स्वरूप, संयुक्त सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2021

Case No. AD (OI)-04/2021

Subject: Initiation of anti-dumping investigation concerning imports of Certain Rubber Chemicals viz., TDQ originating in or exported from China PR, European Union and Russia, PVI originating in or exported from China PR, and CBS originating in or exported from China PR and European Union.

F. No. 6/4/2021-DGTR.—1. M/s. NOCIL Limited (hereinafter referred to as the ‘applicant’) has filed an application seeking initiation of anti-dumping investigation concerning imports of ‘Certain Rubber Chemicals viz., TDQ, PVI and CBS’ (hereafter referred to as ‘subject goods’ or ‘products under consideration’) before the Designated Authority (hereinafter referred to as the “Authority”) in accordance with Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (herein referred to as the “Act”) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the “Rules”). The present investigation concerns imports of TDQ originating in or exported from China PR, European Union and Russia), imports of PVI originating in or exported from China PR and CBS originating in or exported from China PR and European Union.

2. The Applicant has alleged that material injury is being caused to the domestic industry due to the dumped imports of each of the subject goods from the respective subject countries and has requested for imposition of the anti-dumping duties on the imports of each of the subject goods, originating in or exported from the respective subject countries.

Products under Consideration

3. The products under consideration in the present investigation are “Certain Rubber Chemicals viz., TDQ, PVI and CBS”. They are defined as under:

- ‘2,2,4-trimethyl-1,2-dihydroquinoline’ or ‘TDQ’, is a rubber antioxidant produced from acetone and aniline. It is used to provide long-term protection to rubber vulcanizates against oxidative ageing at ambient as well as elevated temperatures. It also offers protection against degradation caused by ozone under static as well as dynamic conditions.
- ‘N-(cyclohexylthio) phthalimide’ or ‘PVI’, is a rubber pre-vulcanization inhibitor produced from butanol, potassium hydroxide, cyclohexyl mercaptan/dichloro disulphide, ammonia, chlorine and phthalic anhydride. It is used to produce the desired scorch delay depending on the type of rubber, loadings of

reinforcing fillers, selection of accelerator type and dosage, sulphur dosage etc. used in the compounding formulations.

iii. 'N-cyclohexyl-2-benzothiazolesulfenamide' or 'CBS', is a rubber accelerator produced from sodium mercapto benzothiazole, cyclohexylamine, and hydrogen peroxide. It is used for scorch safety during rubber compound processing operations and improves the storage life of processed rubber stocks.

4. There is no dedicated ITC HS Classification for the subject goods. The products under consideration are classified under the Chapter 38 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) under the tariff custom classification 3812. However, there are also imports for the products under consideration under the Chapter 29 of the First Schedule. The customs classification is only indicative and is not binding on the scope of the present investigation.

Like Article

5. The Applicant has claimed that there is no significant difference in each of the products under consideration produced by the applicant and those exported from the respective subject countries. The products manufactured by domestic industry are comparable to ones imported from respective subject country/ies in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The products manufactured by domestic industry are technically and commercially substitutable with respective subject goods exported from respective subject countries. Therefore, for the purpose of the present investigation, products produced by the applicant is being treated as 'Like Article' to the each of the subject goods imported from the respective subject countries.

Domestic Industry and Standing

6. The Application has been filed by M/s NOCIL Limited. The Applicant has certified that they are not related to an exporter or producer of each of the subject goods in the respective subject countries or an importer in India either directly or indirectly within the meaning of Rule 2(b) of Anti-Dumping Rules. It is noted that the Applicant is the sole producer of PVI and CBS in India. As regards TDQ, there is one other producer in India, namely Lanxess India Private Limited.

7. As per the evidence on record, the Authority notes that the Applicant constitutes eligible domestic industry in terms of Rule 2 (b), and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Rules.

BASIS FOR ALLEGED DUMPING

Normal Value – China PR

8. The Applicant has submitted that the Normal Value for China PR should be determined as per Para 7 of Annexure I of the Anti-Dumping Rules, 1995. As per Law, Normal Value in China can be determined on any of the following basis:

- the price in a market economy third country.
- constructed value in a market economy third country.
- the price from such a third country to other countries, including India.
- Any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India, adjusted to include a reasonable profit margin.

9. The Applicant has claimed that pursuant to the same, efforts were made to determine normal value on the basis of price or constructed value in a market economy third country, price from such a third country to other countries, including India. However, there is no verifiable evidence or published evidence regarding the same. Therefore, the applicant has claimed normal value in China PR for each of the subject goods on the basis of price actually paid or payable in India, duly adjusted to include reasonable profit margin.

Normal value – European Union & Russia

10. The Applicant made efforts to obtain evidence regarding actual transaction price of sale in the domestic market of European Union and Russia, however, there is no publicly available information regarding actual transaction price of producers. Further, since the products under consideration do not have a dedicated customs classification, the normal value cannot be determined based on export price of respective subject countries to an appropriate third country. The Applicant made efforts to obtain actual cost of production of TDQ and CBS producers in European Union and Russia, however, no verifiable evidence was available.

Therefore, the applicant has claimed normal value in European Union and Russia on the basis of cost of production after addition of reasonable profit margins for the relevant products under consideration.

Export price

11. The Applicant has determined export price of each of the subject goods from respective subject countries considering the volume and value of imports for the POI as per the DGCI&S data. Export price has been adjusted for ocean freight, marine insurance, commission, inland freight expenses, port expenses, and bank charges to arrive at ex-factory price. There is sufficient *prima facie* evidence with regard to the net export price claimed by the applicant.

Dumping margin

12. Considering the normal value and export price of each of the subject goods from respective subject countries determined as above, dumping margin has been determined, in accordance with Section 9 A(1)(a) of the Act. It is noted that dumping margin for each of the products under consideration from the respective subject countries is not only above de-minimis level, but also significant. There is *prima facie* evidence that normal value of the each of the subject goods in the respective subject countries are significantly higher than the net export prices, thereby indicating that the subject goods originating in or exported from the respective subject countries are being exported at dumped prices, so as to justify initiation of investigation.

Injury and Causal Link

13. Information furnished by the Applicant has been considered for assessment of injury to the domestic industry. The Applicant has furnished evidence regarding the injury to each of the product under consideration resulting from the alleged dumping of subject goods during the Period of Investigation. There is positive price undercutting and price suppressing and depression effect on the domestic industry. The Applicant has claimed that their performance has been adversely impacted resulting in decline in production, capacity utilisation, domestic sales volumes, market share, profitability, cash flow and return on capital employed as a result of increase in dumped imports of products under consideration from respective subject countries. There is sufficient *prima facie* evidence of injury being caused to the domestic industry by dumped imports of each of the subject goods from the respective subject countries.

Initiation of Anti-Dumping Investigation

14. On the basis of the duly substantiated written application filed by the Applicant, and *prima facie* evidence submitted by the domestic industry, substantiating dumping of the TDQ originating in or exported from China PR, European Union and Russia, PVI originating in or exported from China PR and CBS originating in or exported from China PR and European Union, injury to the domestic industry and causal link between such alleged dumping and injury, and in accordance with Section 9A of the Act read with Rule 5 of the Rules, the Authority, hereby, initiates an investigation to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping in respect of the products under consideration originating in or exported from the respective subject countries and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

Subject countries

15. The countries involved in the present investigation is China PR, European Union and Russia in respect of imports of TDQ, China PR in respect of imports of PVI and China PR and European Union in respect of imports of CBS.

Period of investigation

16. The period of investigation (POI) for the present investigation is October 2019 – September 2020 (12 months). The injury period under investigation will cover the periods 2017-18, 2018-19, 2019 –2020 and the period of investigation.

Procedure

17. Principles as given in Rule 6 will be followed for the present investigation.

Submission of Information

18. In view of the special circumstances arising out of COVID-19 pandemic, all communication should be sent to the Designated Authority via email at email address, to dd14-dgtr@gov.in, and dd16-dgtr@gov.in with copy to adg13-dgtr@gov.in, and adv12-dgtr@gov.in. It should be ensured that the narrative part of the submission is in searchable PDF/ MS Word format and data files are in MS Excel format.

19. The known producers/exporters in the respective subject countries, Government of the respective subject countries through their Embassies in India, the importers and users in India known to be concerned with the subject goods and the domestic industry are being informed separately to enable them to file all the relevant information in the form and manner prescribed within the time-limit set out below.
20. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the form and manner prescribed within the time-limit set out below.
21. Any party making any confidential submission before the Authority is required to make a non-confidential version of the same available to the other parties.
22. Interested parties are further advised to keep a regular watch on the official website of the Designated Authority <http://www.dgtr.gov.in/> for any updated information with respect to this investigation.

Time Limit

23. Any information relating to the present investigation should be sent to the Designated Authority via email at the email address, to dd14-dgtr@gov.in, and dd16-dgtr@gov.in with copy to adg13-dgtr@gov.in, and adv12-dgtr@gov.in, within 30 days from the date of the receipt of the notice as per the Rule 6(4) of the Rules. If no information is received within the prescribed time-limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules.
24. All the interested parties are hereby advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter and file their questionnaire responses within the above time limit.

Submission of Information on Confidential Basis

25. Any party making any confidential submission or providing information on confidential basis before the Authority, is required to simultaneously submit a non-confidential version of the same in terms of Rule 7(2) of the Rules. Failure to adhere to the above may lead to rejection of the response / submissions.
26. The parties making any submission (including Appendices/Annexures attached thereto), before the Authority including questionnaire response, are required to file Confidential and Non-Confidential versions separately.
27. The “confidential” or “non-confidential” submissions must be clearly marked as “confidential” or “non-confidential” at the top of each page. Any submission made without such marking shall be treated as non-confidential by the Authority, and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect such submissions.
28. The confidential version shall contain all information which is by nature confidential and/or other information which the supplier of such information claims as confidential. For information which is claimed to be confidential by nature or the information on which confidentiality is claimed because of other reasons, the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such information cannot be disclosed.
29. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out (in case indexation is not feasible) and summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, the party submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible to summary, and a statement of reasons why summarization is not possible must be provided to the satisfaction of the Authority.
30. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or if the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.

31. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without good cause statement on the confidentiality claim shall not be taken on record by the Authority.
32. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided, shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such information.

Inspection of Public File

33. In terms of rule 6(7) of the Rules, any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidences submitted by other interested parties. The modality of maintaining public file in electronic mode is being worked out.

Non-Cooperation

34. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may declare such interested party as non-cooperative and record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

ANANT SWARUP, Jt. Secy. & Designated Authority